



2026:AHC:23261
इलाहाबाद उच्च न्यायालय
रिट - सी संख्या 2268 वर्ष 2026

माधुरी देवी
बनाम
अपर आयुक्त न्यायिक प्रयागराज खंड एवं 6 अन्य

.....याचिकाकर्ता(गण)

.....प्रत्यर्थी(गण)

याचिकाकर्ता(गण) के अधिवक्ता : सुधीर कुमार
प्रत्यर्थी(गण) के अधिवक्ता : सी.एस.सी.

न्यायालय संख्या-6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया।

1. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता को सुना और अभिलेख का अवलोकन किया।
2. भारत के संविधान के अनुच्छेद 227 के अंतर्गत याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत याचिका में मांगी गई एकमात्र राहत यह है कि प्रत्यर्थी संख्या 1, अर्थात् अतिरिक्त आयुक्त (न्यायिक), प्रयागराज मंडल, प्रयागराज को उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 की धारा 333 के अंतर्गत पुनरीक्षण संख्या 00547 वर्ष 2018 कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या सी201302000000547 (सुरेंद्र नारायण एवं अन्य बनाम प्रेम एवं अन्य) का शीघ्रता से और निर्धारित अवधि के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए।
3. इस याचिका में पारित किए जाने वाले आदेश को देखते हुए, प्रत्यर्थी/प्रत्यर्थियों को सूचित करने और इस याचिका को न्यायालय के समक्ष लंबित रखने से कोई लाभ नहीं होगा। हालांकि, यदि प्रत्यर्थी/प्रत्यर्थियों को आदेश से असंतुष्टि है, तो उन्हें आदेश में संशोधन/परिवर्तन की मांग करने का अधिकार सुरक्षित रखा गया है।
4. अभिलेख के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि पूरी याचिका में ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया है कि कोई असाधारण परिस्थिति है और न ही याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता द्वारा अवर न्यायालय को उपरोक्त मामले का समयबद्ध तरीके से निर्णय करने का निर्देश देने के लिए कोई तर्क दिया गया है, सिवाय इसके कि मुकदमा वर्ष 2018 में दायर किया गया था।
5. उपरोक्त के मद्देनजर, याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं दी जा सकती। हालांकि, अवर न्यायालय से अपेक्षा की जाती है कि वह उपरोक्त मामले का निर्णय विधि के अनुसार चार महीने की अवधि के भीतर किसी भी पक्ष के लिए अनावश्यक स्थगन प्रदान किए बिना करें, जब तक कि कोई विधिक बाधा न हो।
6. उपरोक्त टिप्पणियों के साथ, याचिका का निस्तारण किया जाता है।

2 फरवरी, 2026
विनोद
(न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया)

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"